13.6.25 वकील वादी द्वारा प्रा० पत्र पेश करने पर न्यायहित में पत्रावली पेश की गई।

वकील वादी / उभयपक्ष उप0। वकील वादी ने प्रा0 पत्र पेश कर वाद को विड्रा / ~~नोट प्रेस~~ में खारिज किए जाने का निवेदन किया। अतः पत्रावली को इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसला शुमार नं. से कम की जाकर दाखिल दफ्तर हो। वादीगण नए सिरे से वाद पेश करने के लिए स्वतंत्र रहेंगे।

Scanned with OKEN Scanner